

ज्ञान मंथन

- 1) पुलिस द्वारा नशे में गाड़ी चलाने वाले की सास की जांच के लिए फ्लिटर पेपर होता है-
- 2) दिल्ली सल्तनत काल का हदीस क्या है?
- 3) हाल ही में नदी उत्सव के कोन से संस्करण का उद्घाटन किया गया है?
- 4) विश्व एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीतने वाली प्रथम भारतीय एथलीट कौन थी?
- 5) हाल ही में मिस इंडिया वर्ल्डवाइड 2024 खिताब किसने जीता?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)



उत्तर माला

- (1) पोटेशियम डाइक्रोमेट सल्फ्यूरिक अम्ल (2) इस्लामिक कानून
- (3) पाणवट (4) सीमा अतिथि (5) रुबी पटेल

पितर पाख

मादो महीना के होत बिर्द,

कुंवरा महीना समाय

अपन पुरखा ला सुरता करत,

पितर पाख ला मनाए

घर डेहरी अंगना के संहुअत,

पीढ़ लोटा ला मझाए

जल भर लोटा मा दातुन रख,

कुम्हड़ा फूल चवाए

बखरी तोरड अउ डोरका हर,

नैंग जोग मा समाए

बरा सोहरी उरीद खीर भात,

पुरखा ला चवाय

छानी मा जेवन ला फेंक के,

कउवा ला दे बलाय

घर के कुसल मंगल खातिर,

अरजी बिनती लगाए

वंश परंपरा के रीत- नीत ला,

पीढ़ी ले पीढ़ी पहुंचाए।



मदन मंडवी

ढारा, डोंगरगढ़,

राजनानंदगांव

मो - 7693917210

पीड़ित और बेगुनाहों को न्याय मिलेगा और दोषियों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी : उपमुख्यमंत्री



कचहर्षा। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साहू के निर्देश पर प्रदेश के दो उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साहू, श्री विजय शर्मा, राजस्व मंत्री श्री टंकमाम वर्मा, पंजीया विधायक श्रीमती भावना बोहरा सहित साहू समाज के वरिष्ठजन कबीरधाम जिले के ग्राम लोहारदीह पहुंचे। उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साहू ने लोहारदीह निवासी मृतक श्री प्रशांत साहू के घर पहुंच कर उनके माता जी भेंट की, तथा घटना पर राज्य सरकार को तर्फ से अपनी गहरी संवेदना तथा दुःख प्रगट किया। उन्होंने मृतक प्रशांत साहू की माता जी को दस लाख रुपए का चेक प्रदान किया। वहीं उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के निर्देश पर प्रशासन द्वारा लोहारदीह में ग्रामीणों के घरों में सूखा राशन समायी, दाल, तेल, आलू, सोयाबीन बड़ी सहित अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री का पैकेट वितरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गांव में स्थिति सामान्य होते तक ग्रामीणों विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साहू ने लोहारदीह में ग्रामीणों से घटनाक्रम के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि आज हम सब यहां मुख्यमंत्री के निर्देश पर साज लोहारदीह पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि हम सबने ग्रामीण तथा सामाजिक वरिष्ठजनों के साथ लोहारदीह पहुंच कर मृतक श्री शिव

प्रसाद साहू, श्री रघुनाथ साहू तथा प्रशांत साहू के घर पहुंच कर उनके परिवार के सदस्यों, आसपास के उनके पड़ोसियों से भेंट की। घटना पर गहरी दुःख प्रगट किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साहू के द्वारा भी लोहारदीह घटना पर अपनी गहरी संवेदना तथा दुःख प्रकट की गई है। घटना की हर पहलूओं की बारीकी, सूक्ष्मता तथा पूरी संवेदनशीलता के साथ जांच के निर्देश दिए गए हैं। आज हम सबने मृतक श्री रघुनाथ साहू के घर पहुंच कर आगामी से उनके जले घर और मृणालना किया गया। यह बहुत दुःख घटना है। मृतक श्री शिव प्रसाद के बच्चों और परिवार के अन्य लोगों से भेंट कर हालचाल जाना। श्री प्रशांत साहू के घर पहुंचकर उनके माता जी आत्मीयता से भेंट की। उनके दुःख-दर्द को सुना। उपमुख्यमंत्री श्री साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साहू सरकार संवेदनशील सरकार है। लोहारदीह घटना की हर पहलूओं की जांच करने के लिए सरकार पूरी तहत से प्रतिक्रिया दे रही है। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को बख्ता नहीं जाएगा। विधिवत तरीकों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा लोहारदीह घटना पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साहू के निर्देशों पर तत्परता से कार्यवाही की गई है, वह एक उदाहरण होगा। यह कार्यवाही अब खोलाइयों के इतिहास में की गई सबसे बड़ी कार्यवाही है। यह कार्यवाही एक संवेदनशील सरकार की प्रतिनिधि करता है। उन्होंने कहा कि हम सबने यहां घटना क्रम की हर विडियो तथा पहलूओं पर ग्रामीणों से सकारात्मक माहौल में जानकारी तथा आवश्यक चर्चा की है। इसकी पूरी जानकारी मुख्यमंत्री जी को अवगत कराएंगे। इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति प्रदेश में कहीं और ना हो इसके लिए मुख्यमंत्री द्वारा जिले के सभी सभी कलेक्टर, एसपी को निर्देशित किया गया है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री तथा मुख्यमंत्री तथा क्षेत्रीय विधायक की विजय शर्मा ने भी लोहारदीह पहुंचकर पीड़ित परिवार तथा ग्रामीणों मुलाकात की। उन्होंने कहा गांव में आने से पहले मैंने दुर्गा जिला जेल पहुंच कर इस प्रकरण में दुर्गा जेल में रखे गांव की माताओं-बहनों से मुलाकात की। माताओं-बहनों को किसी भी प्रकार



की आवश्यक परेशानी ना हो इसके लिए निर्देशित किया गया है। इसके बाद कचहर्षा जिला जेल पहुंच के पूरे ग्रामीणों से भेंट कर घटना क्रम की जानकारी ली। उनके स्वास्थ्य के बारे में पूरी जानकारी ली। संदीप के आधार पर जेल में रखे सभी ग्रामीणों का निरामि स्वास्थ्य परीक्षण करने के लिए प्रशासन को निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि लोहारदीह की घटना अत्यंत दुःखद है। पीड़ित परिवार के साथ मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साहू की सरकार संवेदनशीलता के साथ खड़ी है। मैं भी इस क्षेत्र के विधायक के रूप में पीड़ित परिवार के साथ एक अधिभावक के रूप में संवेद साध रहा। उनके हर दुःख-सुख में साथ हूँ। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री श्री साहू ने लोहारदीह घटना क्रम की पूरी निष्पक्षता से जांच के निर्देश दिए हैं। पीड़ित तथा निर्दोषों के साथ न्याय होगा तथा जांच के बाद दोषियों पर कानून तथा विधिनुसार कार्यवाही की जाएगी। उपमुख्यमंत्री को इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि घटना के बाद कुछ घरों से ताले टूटे हैं तथा किसी-किसी की मोटर साइकिल की गायब होने की सूचना है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्रामीणों से मिली शिकायतों को बेहत गंभीरता से लिया है तथा ग्रामीणों से मिली शिकायतों की गंभीरता से जांच के निर्देश दिए।

हेमिन बाई को मिला प्रधानमंत्री आवास योजना से स्वाभिमान से जीने का आधार

राजनानंदगांव (नांदगांव टाइम्स)।

साहू एवं परिवार में परिवर्तन जैसे जीवन में परिवर्तन का आधार। ऐसी एक बदलाव, जागरूकता, सशक्तिकरण, सुरक्षा एवं स्वाभिमान के मिसाल प्रधानमंत्री आवास योजना है, जिसने सफाई का नई ईबारत लिखी है। प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के आवास के सपने को पूरा करने की एक उम्मीद है। प्रधानमंत्री आवास योजना से न केवल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत कदम है, बल्कि महिलाओं को स्वाभिमान से जीने के लिए एक आधार दे रही है। इसकी ऐसी ही बानगी राजनानंदगांव जिले में दिखाई दी। कौटिल्याबाई बाई नंबर 45 की निवासी श्रीमती हेमिन बाई को प्रधानमंत्री आवास योजना-वाहरी के तहत पक्का



आवास प्राप्त हुआ है। श्रीमती हेमिन बाई ने बताया कि उनके पति की मृत्यु के बाद उनकी जिम्मेदारी बढ़ गई और बच्चों को पढ़ाने-लिखाने की जिम्मेदारी भी है। पहले कच्चे घर में बहुत दिक्कत होती थी। खराब लगाने पर मरमत्त का नई ईबारत लिखी है। प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के आवास के सपने को पूरा करने की एक उम्मीद है। प्रधानमंत्री आवास योजना से न केवल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत कदम है, बल्कि महिलाओं को स्वाभिमान से जीने के लिए एक आधार दे रही है। इसकी ऐसी ही बानगी राजनानंदगांव जिले में दिखाई दी। कौटिल्याबाई बाई नंबर 45 की निवासी श्रीमती हेमिन बाई को प्रधानमंत्री आवास योजना-वाहरी के तहत पक्का

शून्य से शिखर तक गायत्री विद्यापीठ

जिले की शान गायत्री विद्यापीठ

शिक्षा के बिना मानव जीवन अनुरा सा प्रतीत होता है, शिक्षा मनुष्य जीवन पर परिष्कृत कर उममें निखान लाने का एक सशक्त माध्यम है। उच्च शिक्षा व संस्कार से ही मनुष्य एक श्रेष्ठ नागरिक बनकर अपने परिवार, समाज व राष्ट्र को सेवा कर सकता है, इसी कड़ी में एक सच्चे सेवक व मार्गदर्शक के रूप में अग्रिम पंक्ति में हिम शिखर की तरह सोभायमान है गायत्री विद्यापीठ जो लगभग 42 वर्षों से शिक्षा, सेवा व संस्कार के क्षेत्र में अनुकरणीय उदाहरण पेश करता है। इस विद्यालय की नींव 15 अगस्त 1982 को गायत्री शिखर मंदिर के रूप में गायत्री परिवार ट्रस्ट द्वारा रखी गईं जहाँ आज गायत्री शिक्षण समिति के अध्यक्ष परितम व सेवाभाव के बल पर इस विद्यालय की चार शाखाएं निम्न नई ऊँचाइयों की बुलन्दियों को छू रही हैं जिसमें गायत्री विद्यापीठ सीबीएसई बोर्ड ईंग्लिश मीडियम, गायत्री विद्यापीठ सीजी बोर्ड, गायत्री विद्या मंदिर हिन्दी मीडियम एवं वर्तमान में चौथी शाखा के रूप में गायत्री गुरुकुल शामिल है। जहाँ जिले के बच्चे बहुत ही कम शुल्क में शिक्षा अध्ययन के साथ-साथ सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास संबंधी ज्ञान अर्जित कर रहे हैं। यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं कि यह विद्यालय छात्रावास प्रवेश के लिए आपकी बात है। इस विद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में योगदान हेतु नई शिक्षा



नीति (इकांक) द्वारा विद्यालय को पायलट प्रोजेक्ट हेतु चुना गया जो प्रदेश का पहला विद्यालय रहा। बुलन्द होसले और नए इमारतों की मिसाल गायत्री विद्यापीठ में अध्ययनरत हर वो विद्यार्थी मातृभूमि की माटी से जुड़कर एक श्रेष्ठ नागरिक बनकर मानवता के पथ पर अग्रसर हो तर्कें इसी भावना की फलीतु करने में नई के कलेक्टर की अपनी सेवाएं दे रहे हैं जो अनुभवी उच्च शिक्षा डिग्रीधारी व कुशल हैं। समय की गंगा के अतृप्य ही जिले के नव-निहाली हेतु स्थापित गायत्री गुरुकुल की भी विशेष पहचान बन चुकी है जहाँ बच्चों को शैक्षणिक सन 2024-25 से गुरुकुल पद्धति अनुसर शिक्षा प्रदान की जाएगी जहाँ पूरी नसरी से केजी-टू तक शिक्षा संचालित होगी, यहाँ शिक्षण पद्धति वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित होगा जहाँ बच्चों को सीखने की पद्धति पर जोर देते हुए खेल-खेल में शिक्षा, बच्चों का मनोवैज्ञानिक विकास, नैतिक मूल्यों का विकास, धर्म एवं अध्यात्म दर्शन जैसे मूलभूत तत्वों को शामिल किया गया है जो मुख्यतः भारत की वैदिक परम्परा की भी परिलक्षित करता है। संस्कार युक्त शिक्षा के लिए प्रसिद्ध गुरुकुल में भी ऐसे विद्यार्थी तैयार होंगे जो प्रत्येक माता-पिता के सपने को फलीतु करेंगे। गायत्री शिक्षण समिति का यह सहायीय प्रयास जिले के अन्य संस्थानों के लिए भी अनुकरणीय होगा।

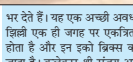
श्रीमती उमा झा, व्यवस्थापक, गायत्री विद्यापीठ, राजनानंदगांव

इको ब्रिक्स बनाने की बच्चों की अनोखी तरीक़ी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कारगर

राजनानंदगांव (नांदगांव टाइम्स)।

इको ब्रिक्स बनाने की बच्चों की अनोखी तरीक़ी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कारगर सिद्ध हो रही है। स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत जिले के सभी स्कूलों के बच्चे इको ब्रिक्स या कड़े बॉक्स बनाने का काम कर रहे हैं। ब्रिक्स की बनावट, जोल्ड डिज़ाइन की स्पष्टता और ब्रिक्स में डिज़ाइन, पंजी, मिश्रण एवं बिस्तर के रंग को अटल में

भार देते हैं। यह एक अच्छी अवधारणा है, जिसमें आवा-पास के वातावरण इच्छा एक ही जगह पर एकत्रित हो जाता है। ब्रिक्स पर्यावरण संरक्षित होता है और इनको ब्रिक्स का उपयोग बचारी कचरे के लिए किया जाता है। कलेक्टर श्री रंजय अग्रवाल के मार्गदर्शन तथा जिला पर्यावरण संरक्षण सुशी सुशी सुशी सिंह के निर्देशन में स्वच्छता भारत मिशन के तहत स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के लिए लगातार विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। जिससे सामाजिक क्षेत्रों में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। ब्रिक्स पर्यावरण की टीम एवं सभी विभागों तथा सामुदायिक संस्थाओं से स्वच्छता के लिए बेहतरीन कार्य किया जा रहा है। स्कूलों बच्चों द्वारा बनाए गए इन इको ब्रिक्स का उपयोग ग्राम क्षेत्रों में कचरा कचरे के लिए किया जा रहा है। इसी तरह सभी जिलों में इन इको ब्रिक्स को उपयोग किया जाएगा। ब्रिक्स ब्रिक्स बनने में जिले के बच्चों ने विशेष अपनी रचनात्मक प्रतिभा दिखाई है।



धर्म समाचार....



घर में लगाएं ये तस्वीरें

वास्तु शास्त्र की दृष्टि धर्म में काफी महत्व दिया जाता है। ऐसे में यदि आप अपने जीवन में वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ छोटे-छोटे बदलाव लाते हैं तो इससे निश्चित रूप से आपको अच्छे परिणाम देखने को मिल सकते हैं। आज हम आपको बताते जा रहे हैं कि घर में कौन-सी तस्वीरें कहाँ लगानी चाहिए ताकि परिवार में खुशनुमा माहौल बना रहे।

सकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकती हैं। लेकिन इसका लाभ आपको तभी मिल सकता है, जब आप दरवाजा की भी ध्यान रखें। इसलिए इस तस्वीर को घर की दक्षिण दिशा में लगाना चाहिए। घर में युद्ध की तस्वीरें लगाने से युद्ध-शांति का माहौल बना रहता है। इसके लिए आपको इसे घर की पूर्व या पश्चिम-पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। वहीं अगर आप घर की दक्षिण दिशा में मोर की तस्वीरें लगाते हैं, तो इससे आपके भाग्य में वृद्धि हो सकती है। इसी के साथ घर



में कमल की तस्वीर को उत्तर-पूर्व दिशा में लगाने से भी आपके लाभ देखने को मिल सकता है। घर में प्राकृतिक दृश्य जैसे पहाड़, झरने आदि की तस्वीरें लगाना भी बहुत ही अच्छा माना जाता है। पहाड़ों की तस्वीरें लगाने से जीवन में स्थिरता बनी रहती है। वास्तु के अनुसार, इसे घर की दक्षिण-पूर्व दिशा में लगाना बेहतर माना जाता है। वहीं झरने की तस्वीर को घर की पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। इससे घर के आगमन के रास्ते खुलते हैं।

भक्त ने अनाथ लड़की को गोद लेने की इच्छा जताई, तो प्रेमनंद महाराज नहीं दे पाए उतर

एक भक्त ने प्रेमनंद महाराज के सामने इच्छा व्यक्त की और उनकी अनुमति भी लेना चाही कि वह अनाथ कन्या को गोद लेना चाहता है। इस पर प्रेमनंद महाराज ने जो जवाब दिया है, वह सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है। धर्म गुरु के रूप में कई भक्त अपने अलग-अलग तरह के सवाल लेकर प्रेमनंद महाराज के पास बुलावते आते हैं। ऐसे ही एक भक्त ने पूछा कि उसकी शादी कानि पहलने हो चुकी है और कोई संतान नहीं है, तो क्या वह किसी अनाथ कन्या को गोद ले सकता है? य? तो प्रेमनंद महाराज अपने पास आने वाले हर भक्त के मन में उठ रहे प्रश्न का उत्तर देकर उसे मार्ग दिखाते हैं, लेकिन इस भक्त से महाराज ने कहा कि वे उत्तर देने की स्थिति में नहीं हैं। प्रेमनंद महाराज ने भक्त से कहा कि इस तरह की बातें और फैसले लोकमत से जुड़े हैं। हमारे लोकमत से कोई संबंध नहीं है। हम सिर्फ अध्यात्म की बातें करते हैं। इसलिए इसका उत्तर हम नहीं दे पाएंगे। उन्होंने आगे कहा- हम कह दें कि आप गोद ले लें, लेकिन आप चलकर उस कन्या का क्या स्वयंवर आयोजें, आपका क्या स्वयंवर कन्या का स्वयंवर और आचरण कैसा निकलेगा, यह कैसे कह सकते हैं। प्रेमनंद महाराज के अनुसार, हमारे कहने पर लड़की गोद ले लेगी और उसके लगन सही नहीं मिले, तो हम तो बरेश में पड़े जाएंगे। इनकार करने पर भी आप कहीं कि महाराज ने एक नैतिक काम होने से रोक दिया।



